Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 20, Issue No. 2, April-2023, ISSN 2230-7540

ट्रक चालकों के बीच एड्स जागरूकता पर एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

Nawab Singh[1]*, Dr. Surinder Kumar[2]

[1] PhD Scholar, NIILM University, Haryana

[2] Assistant Professor, Department of Sociology, NIILM University, Kaithal

सार - ***बहुत सारे शोधों द्वारा यह अच्छी तरह से प्रलेखित है कि ट्रक चालक अपने व्यवसाय की प्रकृति के कारण एचआईवी संक्रमण के उच्च जोखिम वाले समूह में आ रहे हैं और एचआईवी पॉजिटिव लोगों के डेटा पर विभिन्न संगठनों की रिपोर्टों से इसकी पुष्टि होती है। शोधकर्ता ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के माध्यम से राज्य में एचआईवी पॉजिटिव लोगों की व्यावसायिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी मांगी। हरियाणा एड्स कंट्रोल सोसाइटी द्वारा प्रदान की गई जानकारी ने संकेत दिया कि एचआईवी पॉजिटिव रोगी के 44.4 प्रतिशत मामले परिवहन कार्य से संबंधित हैं। अध्ययन से यह भी पता चला कि 37.7 प्रतिशत के साथ गृहिणियां राज्य में दूसरा सबसे बड़ा एचआईवी पॉजिटिव समूह हैं। 14.2 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव श्रमिक वर्ग के हैं। एचआईवी के 1.8 प्रतिशत मामले स्व-नियोजित हैं। एचआईवी के 1.1 प्रतिशत मामले सर्विस मैन हैं और 0.4 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव छात्र और सेवानिवृत्त व्यक्ति हैं। अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि 96.3 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव परिवहन कर्मचारी, गृहिणियां और मजदूर हैं।***

कीवर्ड - ***ट्रक चालकों, एड्स जागरूकता, समाजशास्त्र***

----------X----------

परिचय

भारत में कई अध्ययनों ने इसकी उच्च भेद्यता की रिपोर्ट की है उच्च जोखिम वाले व्यवहारों में कई आकर्षक लोगों के साथ एचआईवी संचरण के लिए ट्रक ड्राइवरों- अनुमानित 36 प्रतिशत सेक्स वर्कर ग्राहक ट्रक चालक हैं । घर से दूर सड़क पर समय, वैवाहिक स्थिति, शराब का उपयोग, और आय स्तर सभी सेक्स वर्कर्स के साथ जुड़े हुए हैं। (1) जिनके पास मनोरंजन का कोई साधन नहीं है । मनोरंजन के किसी भी स्रोत की अनुपस्थिति में, वाणिज्यिक यौन कर्मी के पास जाने में आनंद का अनुभव करते हैं । यह भी उल्लेखित है कि सड़क के किनारे के ढाबे और होटलों में ने उन्हें वाणिज्यिक यौन कर्मियों से संपर्क हो जाता है । जब वे अपने घर वापस आए तो उन्होंने अपनी पत्नियों के साथ असुरक्षित यौन संबंध स्थापित किए। (2)

हरियाणा राज्य में एचआईवी पॉजिटिव लोगों का डेटा बताता है कि 44.4 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव लोग ट्रांसपोर्ट से आ रहे थे और 37.7 हाउस वाइफ भी बता रही थीं कि हाउस वाइफ्स कंडोम का इस्तेमाल करने के लिए मुश्किल से बोल सकती हैं और इस तरह एचआईवी संक्रमण शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में हो जाता है। (3)

अधिकारियों का कहना है कि वयस्कों में वायरस के प्रसार का 84 प्रतिशत एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध है। "वायरस के संचरण का मुख्य तरीका एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध है ।(4) दूसरा प्रमुख कारण रक्त और रक्त उत्पादों के आदान- प्रदान से है, और तीसरा संक्रमित सुई के दोबारा प्रयोग से है, डॉ. अश्वनी आहूजा, प्रधान चिकित्सा अधिकारी ने कहा । विभाग एचआईवी पॉजिटिव रोगियों को परामर्श और उपचार दोनों प्रदान करता रहा है । उन्होंने कहा कि एच आई वी संक्रमण का पता लगाने के लिए सभी गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जाँच करवाई जाती है।(5)

आज तक हरियाणा के पानीपत जिले में ट्रक ड्राइवरों में एच आई वी/ एड्स के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन के बारे में कोई शोध नहीं किया गया है, इसलिए वर्तमान अध्ययन ट्रक चालकों के ज्ञान

www.ignited.in

के स्तर को समझने का प्रयास है, एचआईवी पॉजिटिव मामलों की दर में इस साल हरियाणा में 0.10 प्रतिशत से अधिक मामूली गिरावट आई है, जो पिछले साल 6.55 लाख से एड्स से पीड़ित लोगों के परीक्षण में इस साल 7.88 लाख थी।(6) माननीय स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा, अनिल विज ने कहा, "राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के परिणाम स्वरूप, एचआईवी पॉजिटिव मामलों की दर 2015-16 में 0.67 प्रतिशत से घटकर 2016-17 में 0.55 प्रतिशत हो गई है। (7)

कार्यप्रणाली

वर्तमान अध्ययन में शोध पद्धति का अर्थ है शोधकर्ता द्वारा उदाहरण उद्देश्यों, परिकल्पना, अनुसंधान डिजाइन, नमूना और नमूना तकनीक, उपकरण और डेटा संग्रह की तकनीक, विश्लेषण और डेटा की व्याख्या और व्याख्या के लिए अनुसंधान करने के लिए उपयोग की जाने वाली अलग-अलग विधि।

ट्रक चालकों के ज्ञान के बारे में एचआईवी संचरण, एचआईवी / एड्स के लक्षण, विभिन्न निवारक उपायों के बारे में ज्ञान और उनके मिथक और एचआईवी / एड्स के बारे में गलत धारणा का पता लगाने का प्रयास किया गया है। सेक्स और एचआईवी / एड्स के बारे में ट्रक ड्राइवरों के दृष्टिकोण का पता लगाने और उत्तरदाताओं के यौन व्यवहार का अध्ययन करने के लिए प्रयास किए गए हैं शोधकर्ता द्वारा ट्रक ड्राइवरों में एचआईवी / एड्स के प्रति जागरूकता सत्तर का अध्ययन किया गया है। एचआईवी / एड्स के बारे में सही जानकारी देकर और ट्रक के बीच एचआईवी / एड्स की समस्या को दूर करने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव दिया जा सके।

वर्तमान अध्ययन में शोधकर्ता स्नोबॉल अनुसंधान डिजाइन का उपयोग गया है। विभिन्न प्रकार के निवारक उपायों और एचआईवी/एड्स के बारे में गलत धारणा के बारे में ट्रक चालक में जागरूकता स्तर का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन से उत्तरदाताओं यौनव्यवहार को पहचान लिया गया है। सेक्स और एचआईवी / एड्स के बारे में प्रवासी, महिला, पुरुष और ट्रांसजेंडर वयस्कों, युवाओं और ट्रक ड्राइवरों के दृष्टिकोण का पता लगाने की कोशिश की गई है। शोधकर्ता ने ट्रक ड्राइवरों को एचआईवी / एड्स के बारे में सही जानकारी देकर उनके दृष्टिकोण को बदलने व ज्ञान बढ़ाने के लिए संभावित उपायों का प्रयास किया गया है।

शोधकर्ता ने कुल 150 ड्राइवरो का चयन किया गया।

परिणाम

परिणामों का पता लगाने के लिए एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण किया जाएगा। अनुसंधानकर्ता का मुख्य कार्य परिणामों को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना तथा परिणामों की व्याख्या करना है। यदि परिणामों को व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो शोधकर्ता का उद्देश्य पूर्ण और प्रभावी ढंग से प्राप्त नहीं होगा। इसलिए, उचित व्याख्या के साथ व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से परिणामों की प्रस्तुति किसी भी शोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

तालिका 1: आयु समूहों द्वारा उत्तरदाताओं का वितरण

आयु के अनुसार समूह	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
19-25 वर्ष	31	20.5
26-32 वर्ष	49	24.0
33-39 वर्ष	39	29.5
40-46 वर्ष	21	16.5
47 वर्ष से ऊपर	10	09.5
कुल	150	100.0

तालिका 1 के आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग तीन-चौथाई बहुमत यानी 74 प्रतिशत उत्तरदाता 19 से 39 वर्ष के आयु वर्ग में आ रहे थे, जिनमें से 29.9 प्रतिशत 33-39 आयु वर्ग में आ रहे थे, 24 प्रतिशत 26 में आ रहे थे। -32 आयु वर्ग और 20.5 प्रतिशत 19-25 आयु वर्ग से आ रहे थे। 16.5 प्रतिशत उत्तरदाता 40 से 46 वर्ष के आयु वर्ग में आ रहे थे जबकि केवल 9.5 प्रतिशत उत्तरदाता 47 वर्ष से अधिक आयु के थे। उत्तरदाताओं में से कोई भी 18 वर्ष से कम आयु का नहीं था क्योंकि उनके वाहन के लिए ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए न्यूनतम 18 वर्ष की आयु आवश्यक है।

तालिका 2: उत्तरदाताओं का उनकी जाति के अनुसार वितरण

www.ignited.in

जाति	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
उच्च जाति	99	49.5
पिछड़ी जाति	11	37.5
अनुसूचित जाति	40	13.0
कुल	150	100.0

तालिका 2 अध्ययन के क्षेत्र के उत्तरदाताओं के जातिवार वितरण को इंगित करती है। लगभग 50 प्रतिशत उत्तरदाता उच्च जाति से आ रहे थे, इसके बाद 37.5 प्रतिशत उत्तरदाता पिछड़ी जाति से थे। यह जानकर बहुत आश्चर्य होता है कि केवल 13 प्रतिशत उत्तरदाता अनुसूचित जाति से आ रहे थे।

तालिका 3: उत्तरदाताओं का उनकी वैवाहिक स्थिति के अनुसार वितरण

वैवाहिक स्थिति	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
विवाहित	91	55.5
अविवाहित	19	31.0
विधवा	30	7.0
तलाकशुदा	10	6.5
कुल	150	100.0

तालिका 3 के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि दो-तिहाई से अधिक यानी 69 प्रतिशत उत्तरदाता कभी विवाहित रहे थे, जिनमें से 55.5 प्रतिशत उत्तरदाता अपने जीवनसाथी के साथ रह रहे थे, 7 प्रतिशत उत्तरदाता विधुर थे और 6.5 प्रतिशत उत्तरदाता उत्तरदाता तलाकशुदा थे।

तालिका 4: उत्तरदाताओं का उनकी मासिक आय के अनुसार वितरण

मासिक आय रुपये में	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
3000 रुपये तक	25	12.5
रु. 3001 से 6000	50	26.0
रु. 6001 से 9000	35	27.5
रु 9001 से 12000	30	22.5
12000 रुपये से ऊपर	10	11.5
कुल	150	100.0

तालिका 4 में उत्तरदाताओं की मासिक आय को दर्शाया गया है और पाया गया कि बहुसंख्यक यानी 53.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने एक महीने में तीन से नौ हजार रुपये कमाए, इनमें से 27.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 6001-9000 रुपये प्रति माह और 26 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मासिक आय अर्जित की। उत्तरदाताओं ने 3001-6000 रुपये कमाए। 22.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 9001 से 12000 रुपये प्रति माह की कमाई की। 12.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने प्रति माह 3000 रुपये तक की कमाई की।

तालिका 5: उत्तरदाताओं का उनके निवास स्थान के अनुसार वितरण

रहने की जगह	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
ग्रामीण	128	74.0
शहरी	22	26.0
कुल	150	100.0

तालिका 5 से पता चलता है कि लगभग तीन-चौथाई बहुमत यानी 74 प्रतिशत उत्तरदाता ग्रामीण क्षेत्रों से आ रहे थे और केवल एक-चौथाई यानी 26 प्रतिशत उत्तरदाता शहरी क्षेत्रों से आ रहे थे। अध्ययन इस विश्वास और तथ्य की भी पुष्टि करता है कि अधिकांश ट्रक चालक ग्रामीण क्षेत्र से आ रहे थे।

तालिका 6: उत्तरदाताओं का उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति के अनुसार वितरण

www.ignited.in

राशन कार्ड के प्रकार	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
गरीबी रेखा से नीचे	129	69.5
गरीबी रेखा से ऊपर	21	30.5
कुल	150	100.0

तालिका 6 में अध्ययन का विश्लेषण उत्तरदाता के परिवार की आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। राशन कार्ड आर्थिक स्थिति को समझने का सबसे अच्छा तरीका है। सरकारों से आर्थिक लाभ प्राप्त करने का यही एकमात्र मानदंड है। अध्ययन इंगित करता है कि लगभग 70 प्रतिशत उत्तरदाता उन परिवारों से संबंधित थे जिनके पास गरीबी रेखा से नीचे राशन कार्ड था और शेष 30 प्रतिशत उत्तरदाता हरे राशन कार्ड वाले परिवारों से थे। आमतौर पर ग्रीन राशन कार्ड धारकों को गरीबी रेखा से ऊपर माना जाता है। अतः अधिकांश उत्तरदाता अत्यंत गरीब परिवारों से थे।

तालिका 7: ट्रकिंग क्षेत्र में उत्तरदाताओं का उनके आरंभ द्वारा वितरण

कैरियर के रूप में शुरू हुआ	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
कंडक्टर/खलासी	123	71.5
चालक	27	28.5
कुल	150	100.0

इस तालिका 7 में प्रस्तुत आंकड़े बताते हैं कि एक महत्वपूर्ण बहुमत यानी 71.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कंडक्टर/खलासी के रूप में अपना करियर शुरू किया। 28.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने करियर की शुरुआत ड्राइवर के रूप में की थी। डेटा सामान्य विश्वास और अवलोकन की पुष्टि करता है कि ड्राइविंग व्यवसाय में, लोग प्रारंभिक चरण में कंडक्टर / खलासी के रूप में काम करते हैं और फिर ट्रक चलाना सीखते हैं। गुलिया आकाश (2008) द्वारा इसी तरह की खोज की गई थी कि 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कंडक्टर/खलासी के रूप में अपना करियर शुरू किया और शेष 20 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ड्राइवर के रूप में अपना करियर शुरू किया।

तालिका 8: ट्रक चालक बनने के कारणों के बारे में उत्तरदाताओं का वितरण

ट्रक ड्राइवर बनने के कारण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
खराब शैक्षिक स्थिति	25	77.5
गरीबी	16	83.0
बेरोजगारी	45	22.5
कृषि भूमि जोत का अभाव	34	72.0
एक पारिवारिक व्यवसाय के रूप में ट्रकिंग	23	11.5
कोई और	7	14.5

तालिका 8 में अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि उन्होंने ट्रकिंग को एक व्यवसाय के रूप में क्यों चुना। अध्ययन में पाया गया कि भारी बहुमत यानी 83 प्रतिशत, 77.5 प्रतिशत और 72 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने गरीबी, खराब शैक्षिक स्थिति और कृषि भूमि जोतों की कमी को क्रमशः ड्राइविंग व्यवसाय चुनने का मुख्य कारण बताया। 22.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि बेरोजगारी के कारण उनके पास अपनी आजीविका के लिए इस व्यवसाय को चुनने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

तालिका 9: उत्तरदाताओं का उनकी नौकरी की प्रकृति के अनुसार वितरण

नौकरियों की प्रकृति	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
वेतनभोगी चालक	123	88.5
स्व-नियोजित (मालिक ट्रक चालक)	27	11.5
कुल	150	100.0

तालिका 9 में प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम से पता चलता है कि भारी बहुमत यानी 88.5 प्रतिशत उत्तरदाता वेतनभोगी चालक थे। केवल 11.5 प्रतिशत उत्तरदाता अपना ट्रक स्वयं चला रहे थे क्योंकि वे मालिक-सह-चालक थे। शोधकर्ता ने आगे देखा और अनुभव किया कि ये वे लोग थे जो पहले से ही परिवहन व्यवसाय में लगे परिवार से ताल्लुक रखते थे। इसी तरह की खोज गुलिया आकाश (2008) द्वारा भी पाई गई थी, जिसमें अधिकांश उत्तरदाता वेतनभोगी कर्मचारी थे और कुछ उत्तरदाता अपना ट्रक स्वयं चला रहे थे।

तालिका 10: यात्राओं के दौरान सोने के औसत घंटों के आधार पर उत्तरदाताओं का वितरण

www.ignited.in

प्रति दिन सोने के घंटे	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
2-3 घंटे तक	31	15.5
4-5 घंटे तक	48	49.0
6-7 घंटे तक	62	31.5
8 घंटे या उससे अधिक तक	09	04.0
कुल	150	100.0

अध्ययन में आगे पाया गया कि अनुचित नींद की आदत उन्हें तनाव मुक्त करने के लिए विभिन्न पदार्थों का उपयोग करने और वाणिज्यिक यौनकर्मियों के पास जाने के लिए प्रेरित करती है जो उन्हें एचआईवी संक्रमण के उच्च जोखिम में भी डालती है। इसी तरह के निष्कर्ष दर्ज किए गए थे, कि 46 प्रतिशत उत्तरदाता 4 से 5 घंटे सोते थे। परिणाम लंबे समय तक काम करने का पैटर्न दिखाते हैं (8-12)।

निष्कर्ष

ट्रक ड्राइवर हमारे समाज का एक बहुत बड़ा अशिक्षित हिस्सा है जोकि एच आई वी/एड्स के हाई रिस्क ग्रुप के अंतर्गत आता है। ट्रक ड्राइवरों में एच आई वी/एड्स के विषय में जागरूकता की कमी है। क्योंकि अगर एक ट्रक ड्राइवर एच आई वी पॉजिटिव हो जाता है तो वह बहुत कम समय में बहुत से परिवारों में इस बीमारी को फैला सकता है। क्योंकि ट्रक ड्राइवर हमेशा किसी एक निश्चित स्थान पर नहीं रहते उनको देश के विभिन्न हिस्सों में आना जाना पड़ता है, वे एच आई वी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर शीघ्रता से फ़ैलाने का कार्य करते हैं ।

संदर्भ

1. एनीब्यू, पी.एन. और एनीब्यू, यू.यू. (2019), "नाइजीरियाई लंबी दूरी के ट्रक ड्राइवरों के बीच स्वैच्छिक परामर्श और स्क्रीन की इच्छा"। नाइजीरियाई मेडिकल जर्नल, 52, 49-54।
2. अशोक, एस., के. जयपॉल (2000), एसटीडी केस मैनेजमेंट पर लॉन्ग टर्म इम्पैक्ट, सेक्स वर्कर्स के बीच एचआईवी/एड्स की रोकथाम के लिए मार्ग प्रशस्त करता है - पांडिचेरी ... XIII अंतर्राष्ट्रीय एड्स सम्मेलन, डरबन, दक्षिण अफ्रीका, 7/ 9-14
3. रामजी जी और गौव्स ई (2002), दक्षिण अफ्रीका के क्वाज़ुलु-नताल में सेक्स वर्कर्स से मिलने वाले ट्रक ड्राइवरों में एचआईवी की व्यापकता। यौन संचारित रोग जनवरी; 29 (1): पीपी 44-9।
4. रवि ए. भोवी और संतोष एम. बिरादर। (2013), लंबी दूरी के ट्रक चालकों के बीच एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता और दृष्टिकोण का एक महामारी विज्ञान अध्ययन।
5. शर्मा पवन कुमार और एनाक्षी गांगुली (2014), "हैदराबाद शहर, भारत में लंबी दूरी के ट्रक ड्राइवरों की रुग्णता प्रोफ़ाइल"। डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का जर्नल।
6. सिंह आरके और जोशी एचएस (2012), "ट्रक ड्राइवरों के बीच यौन व्यवहार", इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ। 2012 जनवरी-मार्च; 56(1): पीपी 53-56।
7. सिंह विनय (2014), हरियाणा में विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच एचआईवी/एड्स जागरूकता का एक अध्ययन, अप्रकाशित थीसिस।
8. सिंह, जे. और सैनी, आर. (2002), एडवोकेसी मीटिंग विथ ट्रांसपोर्ट कंपनी ओनर्स एज ए टूल फॉर बेटर एसटीडी/एचआईवी प्रिवेंशन सर्विसेज, द 14वां इंटरनेशनल एड्स कॉन्फ्रेंस, बार्सिलोना, 7-12 जुलाई 2002, एब्स्ट्रैक्ट नं. TuPeG5569।
9. सनमोला एएम, (2005), यौन व्यवहार, कंडोम के उपयोग में बाधाएं और नाइजीरिया में लंबी दूरी के ट्रक ड्राइवरों के बीच इसका निरंतर उपयोग। एड्स केयर 2005; 17(2): पीपी 208-221।
10. उपाध्याय आशुतोष1, पवार एबी, बंसल आरके (2020), "सूरत जिले में ट्रक वालों का यौन प्रोफाइल", नेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन 2010, वॉल्यूम। 1, अंक 1, पीपी 21-23
11. विलियम सोरेनसेन, एंडरसन पीबी, स्पीकर आर, विलचेस जेई। (2017), सोशल कॉग्निटिव थ्योरी के लेंस के माध्यम से बोलिवियन ट्रक ड्राइवरों के बीच कंडोम के उपयोग का आकलन। स्वास्थ्य संवर्धन इंट। 2007; 22: पीपी 37-43।
12. विश्व स्वास्थ्य संगठन (2013), एचआईवी / एड्स कार्यक्रमों में लिंग को एकीकृत करना: एक समीक्षा पत्र, लिंग विभाग और महिला स्वास्थ्य, परिवार और सामुदायिक स्वास्थ्य, जिनेवा।

Corresponding Author

Nawab Singh*

PhD Scholar, NIILM University, Haryana

www.ignited.in